रहें न रहें हम ,महका करेंगे बनके कली, बनके सबा

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर

दोस्तों क्या आप जानते हैं कि 'पाँव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी ', 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा ', 'रहें न रहें हम महका करेंगे ', 'अब क्या मिसाल दूँ मैं तुम्हारे शबाब की', 'जिंदगी भर नहीं भूलेगी', 'ना तो कारवाँ की तलाश है', 'निगाहें मिलाने को जी चाहता है ', 'लागा चुनरी में दाग' आदि बेमिसाल गानों में क्या समानता है?

आप कहेंगे कि ये सारे गीत अपने ज़माने के सुपरहिट क्लासिक गीत रहे हैं, ये तो सच है मगर इसके अलावा भी इनमें एक समानता और है और वो ये है कि ये सारे गीत एक ही संगीतकार ने संगीतबद्ध किये हैं,जी हाँ हम बात कर रहे प्रसिद्ध संगीतकार रोशन नागरथ की, जिन्होंने इन महान गीतों को सुरों में ढाला, वो संगीतकार जिन्हें हम सब रोशन के नाम से जानते हैं, वही रोशन जो अभिनेता राकेश रोशन व संगीतकार राजेश रोशन के पिता और ऋतिक रोशन के दादा थे .

रोशन साहब एक महान संगीतकार थे, उन्होंने पचास और साठ के दशक में हिंदी सिनेमा को अनेक अनमोल धुनें दीं, जो बरसों बाद भी श्रोताओं के दिलों में बसी हुई हैं. रोशन साहब को बचपन से ही संगीत में रुचि थी. उन्होंने लखनऊ के म्यूज़िक कॉलेज से संगीत की शिक्षा ली और बाद में प्रसिद्ध संगीतज्ञ उस्ताद अल्लाउद्दीन खान से सरोद का प्रशिक्षण प्राप्त किया. उन्होंने सारंगी के उस्ताद बुन्दू खां से सारंगी की तालीम हासिल की .

रोशन ने अपने फ़िल्म करियर की शुरुआत मशहूर निर्देशक केदार शर्मा की फिल्म 'नेकी और बदी' से की, लेकिन फ़िल्म खास चली नहीं, उन्हें पहचान मिली केदार शर्मा की ही फ़िल्म 'बावरे नैन ' से. 'बावरे नैन' के राजकुमारी के गाये प्रसिद्ध गीत 'ख्यालों में किसी के', 'मुझे सच सच बता दो', 'सुन बैरी बालम सच बोल' आदि खूब चले और रोशन फिल्मों में स्थापित हो गये .

रोशन की संगीत शैली की सबसे बड़ी विशेषता थी, लोक संगीत को भारतीय

शास्त्रीय संगीत के साथ ढालने की उनकी क्षमता. वो बहुत कम आर्केस्ट्रा का उपयोग करते थे द्य उन्होंने शास्त्रीय रागों पर आधारित धुनों को आम आदमी के अनुसार ढाला. उनके संगीत में उन्होंने बांसुरी के साथ सारंगी का बड़ा ही खूबसूरत प्रयोग किया है, साथ ही कहीं कहीं बांसुरी के साथ सितार का भी अद्भुत प्रयोग किया है, जैसे आरती फ़िल्म के गीत 'बार बार तुझे क्या समझाये पायल की झंकार' में उन्होंने इन दोनों साजों का उपयोग किया है.

उनके फ़िल्मी संगीत की एक और महत्वपूर्ण खासियसत थी उनकी बेमिसाल कव्वालियाँ., फ़िल्म 'बरसात की रात' की ये कव्वालियाँ — 'ना तो कारवां की तलाश है', 'ये इश्क इश्क है', 'निगाहे नाज़ के मारों का हाल क्या होगा' और और 'दिल ही तो है' फ़िल्म की कव्वालियाँ. 'निगाहें मिलाने को जी चाहता है' और 'पर्दा उठे सलाम हो जाये', फ़िल्म 'ताज़महल' की कव्वाली 'चांदी का बदन सोने की नज़र' और फ़िल्म 'बहु बेगम' की कव्वाली 'ढूंढ के लाऊं कहाँ से मैं', आज भी हिन्दी फ़िल्मों की सर्वोत्तम कव्वालियां मानी जाती हैं. शायद ही किसी और संगीतकार ने इतनी उम्दा कव्वालियों का सृजन किया हो. उन्होंने कव्वाली को न केवल लोकप्रिय बनाया बल्कि उसे नई ऊँचाई भी प्रदान की, इसी वजह से उन्हें कव्वाली का बादशाह भी कहा जाता था द्य

रोशन ने यूँ तो मजरूह सुल्तानपुरी , साहिर लुधियानवी, नीरज, आनंद बक्षी आदि कई बड़े गीतकारों के साथ शानदार काम किया मगर रोशन और साहिर की जोड़ी ने मिलकर कई अद्भुत गीत रचे द्य फ़िल्म बाबर, ताजमहल, दिल ही तो है, बहु बेगम, चित्रलेखा आदि के गीत, विशेषकर फ़िल्म 'ताज महल' के सभी गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा', 'पाँव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी', 'जो बात तुझमें है तेरी तस्वीर में नहीं' ने धूम मचा दी थी द्य इस फ़िल्म के लिये उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार (1964) से सम्मानित किया गया.

रोशन के अन्य सदाबहार कालजयी गीतों में 'सलामे हसरत क़ुबूल कार लो' (बाबर), 'कभी तो मिलेगी कहीं तो मिलेगी बहारों की मंज़िल राही' (आरती), 'संसार से भागे फिरते हो' (चित्रलेखा), 'मन रे तू काहे न धीर धरे' (चित्रलेखा), 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में' (अनोखी रात), 'खुशी खुशी कर दो विदा' (अनोखी रात), 'रहते थे कभी जिनके दिल में' (ममता), 'छुपा लो यूँ दिल में प्यार मेरा' (ममता), 'ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी मेरा दर्द न जाने कोय' (नौ बहार), बहारों ने मेरा चमन लूटकर (देवर), आया है मुझे फिर याद वो ज़ालिम (देवर), 'दुनिया में ऐसा कहाँ सब का नसीब है' (देवर), 'कारवां गुज़र गया गुबार देखते रहे (नई उमर की नई फसल) आदि गीत प्रमुख हैं.

रोशन फिल्म संगीत के उन कुछ थोड़े से संगीतकारों में से थे जिन्होंने शास्त्रीय संगीत को लोकसंगीत में ढालकर जनसंगीत बना दिया.वो नयी प्रतिभाओं को भी अवसर देते थे, प्रसिद्ध गीतकार आनंद बक्षी और इंदीवर को शुरुआती अवसर उन्होंने ही प्रदान किये द्य

16 नवम्बर 1967 को मात्र 50 वर्ष की अल्प आयु में रोशन का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया . इसके साथ ही फ़िल्म संगीत की एक शैली का युग समाप्त हो गया, मगर उनके संगीत का जादू आज भी सुनने वालों को भरपूर सुकून और आनंद प्रदान करता है. उनके बनाए कालजयी गीत शाश्वत काल तक अपना माधुर्य बिखेरते रहेंगे द्य

आज के लिये बस इतना ही अगले सप्ताह फिर मिलेंगे तब तक के लिये मजरूह सुल्तानपुरी द्वारा रचित, रोशन साहब का संगीतबद्ध ये अद्भुत गीत सुनें और खुश रहें.....

रहें न रहें हम महका करेंगे,
बन के कली, बन के सबा
बाग- ए -वफ़ा में
रहें न रहें हम

'बॉर्डर 2 ' से वरुण धवन का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज़

बॉलीवुड स्टार वरूण धवन की आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' से वरुण धवन का फर्स्ट लुक रिलीज़ हो गया है.

फिल्म बार्डर 2 में सनी देओल के फर्स्ट पोस्टर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, अब फिल्म के निर्माता टी-सीरीज़ और जेपी फिल्म्स ने वरुण धवन का बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक जारी कर दिया है.पोस्टर में वरुण धवन एक भारतीय सैनिक के रूप में दिखाई दे रहे हैं. हाथ में बंदूक लिए, जोश और एक्शन से भरपूर अंदाज़ में. उनके चेहरे का भाव दृढ़ संकल्प, शक्ति और देशभक्ति की भावना को दर्शाता है. सेना की वर्दी में सजे वरुण का यह नया लुक उन्हें एक बिल्कुल अलग और प्रभावशाली अवतार में पेश करता है.

अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा जैसे कलाकार नज़र आएंगे. फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता ने किया है. यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज़ होगी, जो गणतंत्र दिवस के सप्ताहांत पर दर्शकों के लिए देशभक्ति से भरा अनुभव लेकर आएगी.

'बॉर्डर 2' को गुलशन कुमार और टी-सीरीज़,जेपी दत्ता की जे.पी. फिल्म्स के सहयोग से प्रस्तुत कर रहे हैं, . इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता द्वारा किया गया है, जबकि निर्देशन अनुराग सिंह ने संभाला है. यह फिल्म भारतीय सैनिकों के साहस और अटूट जज़्बे को सलाम करती है और दर्शकों को देशभक्ति, पराक्रम और बलिदान की एक रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी.'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

ट्विंकल खन्ना ने पार्टनर बदलने पर दी अपनी राय

एक्ट्रेस से राइटर बनीं ट्विंकल खन्ना इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में हैं. इस शो को ट्विंकल अभिनेत्री काजोल के साथ मिलकर होस्ट कर रही हैं. अब शो के नए एपिसोड में निर्देशक-कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेत्री अनन्या पांडे बतौर मेहमान नजर आए.

हाल ही में, ट्विंकल खन्ना ने अपने शो 'टू मच' में धोखा देने और अफेयर छिपाने को लेकर अपनी राय साझा की, जो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बन गई. काजोल के साथ अपने शो में इस मुद्दे पर हुई बातचीत के दौरान, ट्विंकल ने कहा कि बड़ी उम्र के लोग छोटे उम्र के लोगों से बेहतर तरीके से अपने अफेयर्स छिपा सकते हैं क्योंकि उन्हें ज्यादा अनुभव होता है.

शो में काजोल, अनन्या पांडे, फराह खान और ट्विंकल खन्ना के बीच यह बहस हो रही थी कि बड़ी उम्र के लोग युवा लोगों की तुलना में अपने अफेयर को बेहतर तरीके से छिपा लेते हैं. ट्विंकल, फराह और अनन्या इस विचार से सहमत थे, जबकि काजोल ने इस पर असहमति जताते हुए कहा कि युवा लोग अपने अफेयर्स को बेहतर तरीके से छिपाते हैं. ट्विंकल खन्ना ने इस पर मजाक करते हुए कहा, बड़े लोग ज्यादा बेहतर होते हैं, बहुत प्रैक्टिस होती है उनकी.

इसके बाद ट्विंकल ने यह भी कहा कि आजकल के युवा अपनी जिंदगी और अफेयर को सोशल मीडिया पर छिपाने में कम सक्षम होते हैं क्योंकि हर चीज जल्दी से सार्वजनिक हो जाती है.

इसके अलावा, ट्विंकल ने एक और बयान दिया जिसमें उन्होंने कहा कि आजकल के लोग अपने पार्टनर बदलने में पहले से ज्यादा तेजी दिखाते हैं. यह बयान देते हुए ट्विंकल ने कहा, यह अच्छी बात है, क्योंकि पहले लोग यह सोचते थे 'लोग क्या कहेंगे?' लेकिन अब लोग जल्दी से आगे बढ़ते हैं. हालांकि, फराह, काजोल और अनन्या इस बात से सहमत नहीं थे और उन्होंने इस मुद्दे पर बहस की. अनन्या पांडे ने कहा कि पहले भी लोग पार्टनर बदलते थे, लेकिन अब यह और भी सामान्य हो गया है. ट्विंकल ने इसे युवा पीढ़ी की आज़ादी और आत्मविश्वास के रूप में देखा.

जाने अनजाने हम मिले के कलाकारों की असली दोस्ती

ज़ी टीवी का लोकप्रिय शो जाने अनजाने हम मिले अपनी दिल को छू लेने वाली कहानी और रीत (आयुषी खुराना) और राघव (भरत अहलावत) की शानदार केमिस्ट्री के लिए दर्शकों से खूब प्यार पा रहा है. इस समय कहानी में एक भावुक मोड़ चल रहा है, जहां रीत राघव की सेहत को लेकर चिंतित है. आने वाले एपिसोड में दर्शक देखेंगे कि राघव, रीत से उसके दिल की बात पूछेगा, और ये पल दोनों के रिश्ते को एक नई दिशा दे सकता है. भरत अहलावत ने मुस्कुराते हुए कहा, हमारा सेट सच में घर जैसा लगता है. पैकअप के बाद कई बार कोई भी जाने की जल्दी में नहीं होता. हम सब साथ बैठते हैं, खाना ऑर्डर करते हैं और दिनभर की बातें करते रहते हैं. कई बार तो किसी के घर पर छोटी-छोटी गेट टुगेदर भी हो जाती है, आयुषी खुराना ने बताया, एक्टर के तौर पर हम अपने किरदारों के ज़रिए दिनभर गहरी भावनाएं जीते हैं, इसलिए कैमरा बंद होते ही हम सबको हल्के, सचे और अपने जैसे पल चाहिए होते हैं. यही चीज़ हमारी टीम को सबसे अलग बनाती है हम जानते हैं कब काम से बाहर आना है और बस खुद बन जाना है.कीर्ति का किरदार निभा रहीं गौरी अग्रवाल ने कहा, हम सबकी एक छोटी-सी आदत है जिसका सबको इंतज़ार रहता है. हमारे सेट के पास ही एक चाय की दुकान है जहां की कड़क चाय और बन मस्का सबको बहुत पसंद है.

कलाकारों ने साझा किए अपने विंटर ब्यूटी सीक्रेट्स !

जैसे-जैसे सर्दियां अपने ठंडे झोंकों और गुनगुनी धूप के साथ करीब आती हैं, हवा में एक अलग ही रूमानी अहसास घुल जाता है. लेकिन यही मौसम हमारी त्वचा की असली परीक्षा भी लेता है. ठंड की वजह से चेहरा रूखा और बेजान न लगे, इसके लिए ज़रूरी है थोड़ा सा एक्स्ट्रा प्यार और देखभाल. एण्डटीवी के कलाकारों ने बताया कि अपने आजमाए हुए स्किनकेयर सीक्रेट्स की मदद से वो साल के इन सबसे यादा ठंडे दिनों में भी अपनी त्वचा का ख्याल कैसे रखती हैं. इन कलाकारों में शामिल हैं- प्रियंवदा कांत (घरवाली पेड़वाली की लतिका), सोनल पंवार (हप्पू की उलटन पलटन की इंस्पेक्टर मलाइका) और शुभांगी अत्रे (भाबीजी घर पर हैं की अंगूरी भाबी). इन कलाकारों के लिये सर्दियों के सीजन का मतलब है केयर, कम्फर्ट और ढेर सारा ग्लो. प्रियंवदा कांत, जो जल्द ही एण्डटीवी के आने वाले शो घरवाली पेड़वाली में लतिका के किरदार में नज़र आने वाली हैं, ने सर्दियों में अपने स्किनकेयर रूटीन के बारे में बताते हुए कहा, सर्दी का मौसम ऐसा होता है जब मेरी त्वचा को सबसे यादा प्यार और नमी की ज़रूरत होती है. मैं हर रात सोने से पहले गुलाबजल और ग्लिसरीन ज़रूर लगाती हूं. इससे स्किन नर्म और मुलायम बनी रहती है.

माधुरी दीक्षित का लाइव शो 2 नवंबर को टोरंटो के ग्रेट कैनेडियन कैसीनो रिजॉर्ट में हुआ था . शो देखने के बाद कई लोगों ने दावा किया कि इस प्रोग्राम को एक कॉन्सर्ट के रूप में प्रमोट किया गया था, लेकिन ये एक बातचीत सेशन से ज्यादा कुछ नहीं था . मामला और भी बदतर तब हुआ, जब माधुरी पर तीन घंटे देरी से पहुंचने का आरोप लगा .

माधुरी दीक्षित के कनाडा शो पर विवाद

90 के दशक में बॉलीवुड की नंबर वन एक्ट्रेस रहीं माधुरी दीक्षित इन दिनों चर्चा में हैं. वो हाल ही में कनाडा के टोरंटो में अपने लाइव शो दल से...माधुरी के बाद विवादों में घिर गई हैं, क्योंकि वो करीब 3 घंटे देरी से पहुंची थीं. उनके फैंस उनसे नाराज हो गए. पर आलोचना होने के बाद अब आयोजकों की तरफ से बयान सामने आया है.

बता दें कि माधुरी दीक्षित का लाइव शो 2 नवंबर को टोरंटो के ग्रेट कैनेडियन कैसीनो रिजॉर्ट में हुआ था. शो देखने के बाद कई लोगों ने दावा किया कि इस प्रोग्राम को एक कॉन्सर्ट के रूप में प्रमोट किया गया था, लेकिन ये एक बातचीत सेशन से ज्यादा कुछ नहीं था. मामला और भी बदतर तब हुआ, जब माधुरी पर तीन घंटे देरी से पहुंचने का आरोप लगा. सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना होने लगी. लोगों ने शो को बेहद अव्यवस्थित और अब तक का सबसे घटिया शो बताया. इस तीखी प्रतिक्रिया के बाद शो के आयोजकों ने अब एक बयान जारी कर अपना रुख स्पष्ट किया है.

माधुरी के लेट आने के आरोप पर कहा गया, %शो का फॉर्मेट, जैसा कि माधुरी दीक्षित के मैनेजमेंट के साथ शेयर किया गया था, इसमें उनके 60 मिनट के परफॉर्मिंग सेगमेंट के पहले साढ़े 8 बजे सवाल-जवाब सेशन भी था. हालांकि, प्रोडक्शन टीम की तरफ से पूरी कम्युनिकेशन के बावजूद माधुरी दीक्षित की अपनी मैनेजमेंट टीम ने उन्हें उन्हें कॉल टाइम के बारे में गलत जानकारी दी, जिसकी वजह से वो रात 10 बजे के आसपास देरी से पहुंचीं.

गुस्ताख इश्क को मिली नई रिलीज डेट

फातिमा सना शेख और विजय वर्मा की रोमांटिक फिल्म 'गुस्ताख इश्क' की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी है और नई तारीख भी सामने आ गई. तो चलिए जानते हैं फिल्म कब थिएटर में धमाल मचाएगी.

अभिनेत्री फातिमा सना शेख और विजय वर्मा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही दर्शकों के दिलों को छूने आ रही है. मेकर्स ने बुधवार को फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान करते हुए एक खूबसूरत मोशन पोस्टर शेयर किया. पहले यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन अब यह 28 नवंबर 2025 को रिलीज होगी.

इंस्टाग्राम पर फिल्म की टीम ने लिखा कि अपने कैलेंडर में नोट कर लीजिए, प्यार का सबसे खूबसूरत इम्तिहान अब 28 नवंबर को देखने को मिलेगा. इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई हैफिल्म का टीजर इस साल अगस्त में रिलीज किया गया था. टीजर में एक ऐतिहासिक प्रेम कहानी की झलक दिखी थी.

हर्षवर्धन राणे की चमकी किस्मत

सनम तेरी कसम' की सक्सेसफुल री-रिलीज के बाद हर्षवर्धन राणे की किस्मत पलटी है. एक्टर ने जॉन अब्राहम की एक्शन फिल्म 'फोर्स 3' जॉइन की है, साथ ही दो रोमांटिक फिल्में भी पाइपलाइन में हैं.

बॉलीवुड एक्टर हर्षवर्धन राणे की किस्मत इन दिनों चमक उठी है. उनकी फिल्म 'सनम तेरी कसम' की सफल री-रिलीज और 'एक दीवाने की दीवानियत' के ब्लॉकबस्टर होने के बाद उन्हें लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं. हर्षवर्धन राणे के पास इस समय तीन शानदार फिल्मों का लाइनअप है, जिसमें उन्हें दो रोमांटिक और एक एक्शन फिल्म में देखा जाएगा.

सबसे बड़ी खबर यह है कि हर्षवर्धन राणे को जॉन अब्राहम की एक्शन फ्रैंचाइजी 'फोर्स 3' में कास्ट किया गया है. एक्टर ने खुद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर मंदिर से धोती पहने पूजा करते हुए एक तस्वीर शेयर कर इस खबर की पुष्टि की है. इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था कि जॉन अब्राहम ने 'फोर्स फ्रैंचाइजी को आगे बढ़ाने के लिए हर्षवर्धन राणे को अपने साथ जोड़ लिया है.'

इसके अलावा, यह भी बताया गया है कि 'फोर्स' फ्रैंचाइजी की नई फिल्म की शूटिंग मार्च 2026 में शुरू होगी. हर्षवर्धन के फैंस ने सोशल मीडिया पर खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है. इस बीच, निर्देशक मिलाप जवेरी ने भी हर्षवर्धन के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई थी. इससे पहले, 'फोर्स' फ्रैंचाइजी में जॉन अब्राहम और विद्युत जामवाल की दमदार एक्शन परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया था.

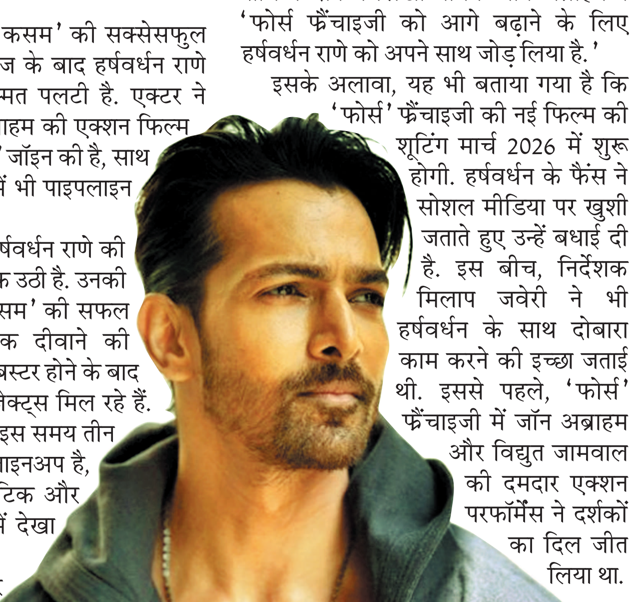

रॉकी भाई के 'अन्ना' ने 63 की उम्र में कहा अलविदा

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है. अपनी दमदार अदाकारी से लोगों के बीच पहचान बनाने वाले एक्टर हरीश राय अब इस दुनिया में नहीं रहे. केजीएफ फेम एक्टर का थायरॉइड कैंसर से निधन हो गया है. जैसे ही यह दुखद खबर सोशल मीडिया पर सामने आई उनके फैंस के बीच शोक की लहर दौड़ गई है. बता दें, 63 वर्षीय हरीष राय काफी समय से थायरॉइड कैंसर से जूझ रहे थे, लेकिन वे इस बीमारी को मात नहीं दे पाए और इलाज के दौरान उन्होंने गुरुवार को जिंदग की अंतिम सांस ली.

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी थ्रोट कैंसर की बीमारी पेट तक फैल गई थी और सूजन भी आ गई थी. उनका काफी समय से बेंगलुरु के किदवई अस्पताल में इलाज चल रहा था, लेकिन वह इस बीमारी से जंग हार गए. प्रसाद नाम के एक यूजर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हरीश के निधन की खबर शेयर कर लिखा- केजीएफ चाचा हरीश राय सर का आज निधन हो गया है. हमारा मनोरंजन करने के लिए आपका शुक्रिया सर.

काम की बात करें तो, हरीश राय 1990 ने दशक में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'ओम' में नजर आए थे और डॉन रॉय का किरदार घर-घर मशहूर हुए थे. इसके बाद उन्होंने तमिल और कन्नड़, दोनों भाषाओं में कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों से दर्शकों का दिल जीता. हरीश राय नेचत्लस्न में रॉकी के चाचा का किरदार निभाकर पॉपुलैरिटी बटोरी थी.

बताया जा रहा है चत्लस्न 2 की शुटिंग के दौरान भी वह इसकी गिरफ्त में थे.हरीश ने खुद बताया था कि उन्होंने चत्लस्न 2 में दाढ़ी इसलिए रखी थी ताकि कैंसर से गले पर आई सूजन को छुपा सकें.